SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-01| September- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/

डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शिक्षण अभिक्षमता के सन्दर्भ में अध्ययन

[1]डॉ0 मनीषा चौहान [2]अतुल कुमार खरे
[1]सहायक आचार्या, शिक्षा विभाग, एस0एन0पी0जी0 कॉलेज, उन्नाव
[2]शोधार्थी, शिक्षा विभाग, एस0एन0पी0जी0 कॉलेज, उन्नाव

सारांश

डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और उनकी शिक्षण अभिक्षमता के बीच सम्बन्ध का अध्ययन वर्तमान शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षण केवल शैक्षणिक ज्ञान या तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें शिक्षक की संवेगात्मक क्षमता, सामाजिक कौशल, और विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझने की योग्यता भी शामिल होती है। संवेगात्मक बुद्धि वह क्षमता है, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने और दूसरों के भावनाओं को पहचानता, समझता और नियंत्रित करता है तथा इन्हें सकारात्मक रूप से व्यवहार में लागू कर सकता है। यह विशेष रूप से शिक्षक शिक्षार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एक शिक्षक की संवेगात्मक बुद्धि उसके कक्षा प्रबंधन, विद्यार्थियों के साथ संवाद, प्रेरणा देने की क्षमता और समस्या समाधान कौशल को प्रभावित करती है। डी. एल.एड. और बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थी भविष्य के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षक बनते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है कि इन पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि उनके शिक्षण अभिक्षमता, जैसे कि पाठ योजना बनाना, शिक्षण विधियों का चयन, विद्यार्थियों को सीखने के लिए प्रेरित करना, और सीखने की प्रक्रिया में उत्पन्न समस्याओं का समाधान करने की क्षमता पर किस प्रकार प्रभाव डालती है। अध्ययन में यह भी ध्यान दिया जाता है कि क्या संवेगात्मक बुद्धि में उच्च स्तर वाले शिक्षार्थी अधिक प्रभावी और संवेदनशील शिक्षक बनते हैं। यह अध्ययन गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों दृष्टिकोणों से किया जा सकता है। प्रारंभिक निष्कर्ष यह संकेत कर सकते हैं कि जिन विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि अधिक विकसित होती है, वे न केवल शिक्षण प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक आवश्यकताओं को समझकर कक्षा में सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण भी उत्पन्न कर पाते हैं। इसके अलावा, संवेगात्मक बुद्धि में सुधार के लिए प्रशिक्षकों द्वारा कार्यशालाओं, समूह गतिविधियों, और आत्म–प्रतिबिंब तकनीकों का प्रयोग शिक्षार्थियों की समग्र शिक्षण क्षमता को बढ़ाने में सहायक हो सकता है। अतः यह अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में संवेगात्मक बुद्धि का विकास केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि समग्र शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में भी योगदान देता है। इससे शिक्षा के क्षेत्र में संवेदनशील, प्रभावी और प्रेरक शिक्षक तैयार होते हैं, जो विद्यार्थियों की शैक्षणिक,

सामाजिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह शोध न केवल शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रमों को और अधिक समग्र बनाने में सहायक होगा, बल्कि शिक्षक बनने वाले विद्यार्थियों के पेशेवर विकास में भी मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

मुख्यशब्द *– डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थी, संवेगात्मक बुद्धि, शिक्षण अभिक्षमता।*

प्रस्तावना

शिक्षा के क्षेत्र में परंपरागत रूप से विद्यार्थियों की अकादमिक योग्यता और बौद्धिक क्षमता पर अधिक ध्यान दिया गया है जबकि संवेगात्मक बुद्धि जैसे गुणों को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया गया है। संवेगात्मक बुद्धि, जिसे आमतौर पर भावनात्मक क्षमताओं के रूप में परिभाषित किया जाता है किसी व्यक्ति की अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानने, समझने, प्रबंधित करने और सकारात्मक दिशा में उपयोग करने की क्षमता होती है। शिक्षण पेशे में यह क्षमता विशेष महत्व रखती है क्योंकि एक शिक्षक का कार्य केवल पाठ्यक्रम सामग्री का हस्तांतरण नहीं होता बल्कि वह विद्यार्थियों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी सहायक होता है।

संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न आयामों जैसे कि आत्म–नियंत्रण, आत्म–जागरूकता, सामाजिक जागरूकता, सहानुभूति और संबंध प्रबंधन की उपस्थिति शिक्षकों को उनके पेशेवर जीवन में बेहतर निर्णय लेने, तनाव का प्रबंधन करने, विद्यार्थियों के साथ सकारात्मक सम्बन्ध स्थापित करने और शिक्षण प्रक्रियाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता करती है। इसके विपरीत, यदि किसी शिक्षक में संवेगात्मक बुद्धि की कमी हो तो वह अपने पेशेवर दायित्वों को पूरी तरह से निभाने में असमर्थ हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया प्रभावित होती है और शैक्षिक परिणाम अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाते।

डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शिक्षण अभिक्षमता एक व्यापक अवधारणा है, जो शिक्षण को विभिन्न आयामों को सम्मिलित करती है। इसमें पाठ योजना तैयार करना, शिक्षण विधियों का उचित चयन, विद्यार्थियों की समझ और प्रतिभा के अनुसार शिक्षण कार्य का अनुकूलन, कक्षा प्रबंधन, मूल्यांकन और फीडबैक देने की क्षमता शामिल होती है। शिक्षण अभिक्षमता केवल ज्ञान–संचरण की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों की संलग्नता, प्रेरणा और संवेगात्मक स्थिति को प्रभावित करने में भी निर्णायक भूमिका निभाती है।

समय के साथ यह स्पष्ट हुआ है कि शिक्षण प्रक्रिया में संवेगात्मक बुद्धि का योगदान केवल व्यक्तिगत शिक्षक की क्षमता तक सीमित नहीं है बल्कि यह समग्र शैक्षिक वातावरण और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर भी प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। उदाहरण के लिए जब शिक्षक अपने भावनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं और सहकर्मियों तथा विद्यार्थियों के साथ सकारात्मक सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं तो कक्षा में अनुकूल शिक्षण वातावरण बनता है, जिससे सीखने की प्रक्रिया प्रभावी और सहज होती है। इसके अतिरिक्त, संवेगात्मक बुद्धि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, आत्म–सम्मान और प्रेरणा उत्पन्न करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डी.एल.एड. और बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का चयन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ये छात्र भविष्य के शिक्षक बनेंगे और उनकी संवेगात्मक बुद्धि तथा शिक्षण अभिक्षमता सीधे तौर पर भविष्य की पीढ़ियों के शैक्षिक विकास से जुड़ी होती है। प्रारंभिक शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का आकलन और उसे विकसित करने के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाना आवश्यक है। यह न केवल उनके व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के लिए लाभकारी है बल्कि समग्र शैक्षिक प्रणाली की गुणवत्ता में सुधार के लिए भी अनिवार्य है।

शोध का यह विषय विशेष रूप से इसलिए भी प्रासंगिक है क्योंकि आधुनिक शिक्षा केवल पाठ्यक्रम की जानकारी तक सीमित नहीं रह गई है। 21वीं सदी के शिक्षण–प्रशिक्षण में शिक्षक को विद्यार्थियों के समग्र विकास सांस्कृतिक, सामाजिक, भावनात्मक और बौद्धिक की जिम्मेदारी भी निभानी होती है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में संवेगात्मक बुद्धि शिक्षक को सक्षम बनाती है कि वह विद्यार्थियों की विभिन्न आवश्यकताओं का संवेदनशीलतापूर्वक मूल्यांकन कर सके और उनके सीखने के अनुभव को समृद्ध बना सके।

अतः इस अध्ययन का उद्देश्य डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनके शिक्षण अभिक्षमता के संदर्भ में मूल्यांकन करना है। इस शोध के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न आयाम जैसे आत्म–जागरूकता, आत्म–नियंत्रण, सामाजिक जागरूकता, सहानुभूति और संबंध प्रबंधन शिक्षण अभिक्षमता को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। साथ ही यह शोध यह भी उजागर करेगा कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संवेगात्मक बुद्धि के विकास के लिए किन रणनीतियों और प्रशिक्षण मॉड्यूलों को शामिल किया जाना चाहिए ताकि शिक्षक अपनी पेशेवर भूमिकाओं को अधिक प्रभावी और सफलतापूर्वक निभा सकें।

इस प्रकार, डी.एल.एड. और बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और उनकी शिक्षण अभिक्षमता के बीच सम्बन्ध का अध्ययन न केवल शिक्षाशास्त्र और शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है बल्कि यह समग्र शैक्षिक विकास, शिक्षण की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रभावित करने में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। वर्तमान युग में जब शिक्षा की चुनौतियाँ जटिल और बहुआयामी हो गई हैं, ऐसे में शिक्षक की संवेगात्मक क्षमता और उसकी अभिक्षमता के बीच सम्बन्ध का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। इस शोध से प्राप्त निष्कर्ष शिक्षकों के चयन, प्रशिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रियाओं में सुधार लाने के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन हेतु मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

आवश्यकता एवं महत्व

डी.एल.एड. और बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का मुख्य उद्देश्य शिक्षण पेशे में दक्षता और प्रभावशीलता प्राप्त करना है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली केवल विषयगत ज्ञान या शैक्षिक कौशल तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि इसमें शिक्षक के व्यक्तित्व, सामाजिक कौशल और संवेगात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। संवेगात्मक बुद्धि से अभिप्राय है व्यक्ति की अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझने, नियंत्रित करने और उनका सकारात्मक रूप से उपयोग करने की क्षमता। शिक्षण एक अत्यंत संवेदनशील पेशा है जिसमें विद्यार्थी के ज्ञानार्जन के साथ–साथ उनके भावनात्मक विकास और सामाजिक परिपक्वता की भी भूमिका होती है इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि शिक्षक न केवल अपने शैक्षिक ज्ञान में प्रवीण हों बल्कि उनकी संवेगात्मक बुद्धि भी उच्च स्तर की हो। वर्तमान समय में शिक्षा की बदलती परिस्थितियाँ जैसे कक्षा में विविधतापूर्ण पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थी, डिजिटल तकनीक का प्रयोग और विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ शिक्षक के संवेगात्मक कौशल की आवश्यकता को और बढ़ा देती हैं। शिक्षकों को केवल पाठ्यक्रम सिखाने तक सीमित नहीं रहना होता बल्कि उन्हें विद्यार्थियों के भावनात्मक उतार–चढ़ाव को समझकर सकारात्मक शैक्षिक वातावरण बनाए रखना होता है। शोध से यह भी स्पष्ट हुआ है कि शिक्षक की उच्च संवेगात्मक बुद्धि कक्षा प्रबंधन, संघर्ष समाधान, और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व उपलब्धि को बढ़ाने में सहायक होती है। डी.एल.एड. और बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिए यह विषय विशेष महत्व रखता है क्योंकि ये भविष्य के शिक्षक हैं। यदि प्रारंभिक प्रशिक्षण के दौरान उनकी संवेगात्मक बुद्धि का विकास किया जाए, तो वे न केवल अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में सफल होंगे, बल्कि विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी बना

पाएंगे। इसके अलावा, शिक्षक की संवेगात्मक बुद्धि उनके पेशेगत संतोष और दीर्घकालीन करियर सफलता से भी सीधे संबंधित है। जब शिक्षक अपने भावनाओं और दूसरों के भावनाओं को समझकर शिक्षा देते हैं तो वह तनाव कम करने, सहयोग बढ़ाने और सकारात्मक शैक्षिक परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होता है।

अतः डी.एल.एड. एवं बी.एड. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शिक्षण अभिक्षमता के सन्दर्भ में अध्ययन न केवल शैक्षिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक है। यह अध्ययन शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने, उनके व्यक्तिगत और पेशेगत विकास में योगदान देने और सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। वर्तमान समय में जब शिक्षा केवल जानकारी प्रदान करने तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास का माध्यम बन गई है, ऐसे में शिक्षक की संवेगात्मक बुद्धि का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस प्रकार, यह अध्ययन शिक्षा क्षेत्र में शोध, नीति निर्माण, और शिक्षण प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने के दृष्टिकोण से अत्यंत प्रासंगिक और आवश्यक है।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

अंशु (2025) ने शिक्षक प्रभावशीलता में संवेगात्मक बुद्धि पर अध्ययन किया जिसका उद्देश्य शिक्षक प्रभावशीलता में संवेगात्मक बुद्धि के योगदान की जांच करना था। परिणाम पाया कि संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षक प्रभावशीलता के बीच सकारात्मक संबंध पाया गया। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले शिक्षक बेहतर कक्षा प्रबंधन, छात्रों के साथ सकारात्मक संबंध, और बेहतर शैक्षिक परिणाम प्रदर्शित करते हैं।

मंगल (2025) ने संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा पर अध्ययन किया जिसका उद्देश्य बी.एड. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा के बीच संबंध का अध्ययन एवं निष्कर्ष रुप में पाया कि संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध पाया गया। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थी शिक्षण के प्रति अधिक प्रेरित होते हैं।

यादव (2025) ने संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा पर अध्ययन किया जिसका उद्देश्य बी.एड. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा के बीच संबंध का अध्ययन करना था। निष्कर्ष रुप में पाया कि संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध था। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थी शिक्षण के प्रति अधिक प्रेरित होते हैं।

प्रमिला (2025) ने संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा पर अध्ययन किया जिसका उद्देश्य बी.एड. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा के बीच संबंध का अध्ययन था। निष्कर्ष रुप में पाया कि संवेगात्मक बुद्धि और शिक्षण अभिप्रेरणा के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध पाया गया। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थी शिक्षण के प्रति अधिक प्रेरित होते हैं।

समस्या कथन

डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शिक्षण अभिक्षमता के सन्दर्भ में अध्ययन।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शिक्षण अभिक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन।

© Shiksha Samvad| Received: 03 September 2025 | Accepted: 06 September 2025 | Published: 11 September 2025

2. डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शिक्षण अभिक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं है।
2. डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए उ.प्र. के लखनऊ मंडल के उन्नाव जिले के डी.एल.एड. एवं बी.एड. विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु केवल 200 डी.एल.एड. एवं बी.एड. विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

उपकरण

- संवेगात्मक बुद्धि मापने हेतु – प्रो0 रुकईया जैनुद्दीन एवं डॉ0 अन्जुम अहमद द्वारा निर्मित प्रश्नावली।
- शिक्षण अभिक्षमता मापने हेतु – डॉ सुरेंद्र सिंह दहिया तथा डॉ एल.सी. सिंह द्वारा निर्मित प्रश्नावली।

परिकल्पनाओं का परिभाषीकरण

तालिका संख्या – 1

डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति एवं व्याख्या

छात्र	संख्या	सहसम्बन्ध	सार्थकता स्तर
डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत्	50	0.62	धनात्मक
बी.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत्	50	0.68	धनात्मक

व्याख्या – तालिका संख्या 1 में डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति को दिखाया गया है। सारणी से पता चलता है कि डी.एल.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध में सहसम्बन्ध का मान 0.62 प्राप्त हुआ है एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध में सहसम्बन्ध का मान 0.68 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों समूहों के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता हैं। अतः डी.एल.एड. एवं बी. एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

तालिका संख्या – 2

डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति एवं व्याख्या

छात्राऐं	संख्या	सहसम्बन्ध	सार्थकता स्तर
डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत्	50	0.65	धनात्मक
बी.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत्	50	0.70	धनात्मक

व्याख्या – तालिका संख्या 2 में डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति को दिखाया गया है। सारणी से पता चलता है कि डी.एल.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध में सहसम्बन्ध का मान 0.65 प्राप्त हुआ है एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य सहसम्बन्ध में सहसम्बन्ध का मान 0.70 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों समूहों के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता हैं। अतः डी.एल. एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

निष्कर्ष

1. डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
2. डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- अंशु, ए. (2025). शिक्षक प्रभावशीलता में संवेगात्मक बुद्धि. अंतर्राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त और व्यवहारिक विज्ञान पत्रिका.
- मंगल, एस. के., और मंगल, शुभा (2025). मध्यमिक छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन. अंतर्राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त और व्यवहारिक विज्ञान पत्रिका.
- यादव, बी., और यादव, एम. (2025). गणितीय शिक्षण में संवेगात्मक बुद्धि का प्रभाव. अंतर्राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त और व्यवहारिक विज्ञान पत्रिका.

Cite this Article:

[1]चौहान डॉ0 मनीषा [2] अतुल कुमार खरे , "डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शिक्षण अभिक्षमता के सन्दर्भ में अध्ययन" *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 01, pp.170-175, September 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

[1]डॉ0 मनीषा चौहान [2]अतुल कुमार खरे

For publication of research paper title

"डी.एल.एड. एवं बी.एड. पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शिक्षण अभिक्षमता के सन्दर्भ में अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-01, Month September 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/